Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
Sector – 21, Noida
Phone : 0120-2534064, 2538533 / E-mail : bbpsnd@yahoo.co.
Website : http://bbpsnoida.balbharati.org

उमंग (2017-18)
हिंदी मातृभाषा उत्सव

हिंदी भाषा उत्सव 'उमंग' अत्यंत हर्षोल्लास के साथ हमारे विद्यालय के प्रांगण में मनाया गया | जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मातृभाषा के प्रति जागरूकता लाना था | हिंदी विभाग की अध्यापिकाओं श्रीमती मनीषा सेठी एवं श्रीमती इलाश्री जायसवाल के निर्देशन में प्राथमिक विभाग के समस्त विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया | 'उमंग' उत्सव का आयोजन 13 सितम्बर से 16 सितम्बर तक किया गया |

13 सितम्बर 2017 को हिंदी दिवस सप्ताह का शुभारम्भ कक्षा एक के नन्हें विद्यार्थियों ने टोपी निर्माण प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेकर किया | जिसमें उन्होंने अपने नन्हें हाथों की कलाकारी दिखलाते हुए हिंदी साहित्य के महान कवियों द्वारा पहनी गईं विशेष प्रकार की टोपियों की तर्ज़ पर विभिन्न प्रकार की सुन्दर टोपियों का निर्माण किया एवं उन्हें पहनकर उन महान साहित्यकारों की कविताओं का पाठ भी किया| इस प्रतियोगिता में कक्षा एक–'ब' के सात्विक साहू को प्रथम स्थान तथा एक – 'द' की आराध्या भट्ट को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ |

कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों ने 'बुनो कहानी' प्रतियोगिता के प्रथम चक्र में भाग लिया | यह एक बहुत ही रुचिकर तथा रोमांचक कार्यक्रम था जिसमें विद्यार्थियों ने किसी भी प्रचलित कहानी को आज के परिवेश अनुसार परिवर्तित कर प्रस्तुत किया | सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का चुनाव अंतिम चक्र के लिए किया गया, जोकि 15 सितम्बर 2017 को आयोजित किया गया |

कक्षा चार के विद्यार्थियों ने 'पोस्टर –निर्माण प्रतियोगिता' में हिस्सा लिया | जिसमें उन्होंने हिंदी भाषा से सम्बंधित विभिन्न प्रकार के पोस्टर बनाए | इस में कक्षा – चौथी–'द' की अद्याशा प्रधान को प्रथम स्थान तथा चौथी–'ब' की समकिती जैन को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ |

14 सितम्बर 2017 को 'हिंदी-दिवस' मनाया गया | इसके अंतर्गत सभी छात्र –छात्राओं के लिए एक विशेष सभा का आयोजन किया गया | कक्षा एक के छात्रों ने वर्णमाला का प्रदर्शन करते हुए 'अक्षरों की सुन्दर परेड' निकाली तथा साथ ही सम्बंधित कविता भी सुनाई | कक्षा–एक के प्रत्येक वर्ग से सवश्रेष्ठ प्रविष्टि का चुनाव किया गया, 'अ' वर्ग से नव्या जैन ,'ब' वर्ग से आराध्या शर्मा ,'स' वर्ग से अभिनन्दन राठौड़ , 'द' वर्ग से नित्या , 'इ' वर्ग से अगमजोत सिंह इस प्रतियोगिता के विजेता रहे |

कक्षा दूसरी के छात्रों ने सामूहिक कविता वाचन प्रतियोगिता में भाग लिया , जिसमें 'द' वर्ग के विद्यार्थी प्रथम स्थान पर रहे |

कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों के लिए 'चेहरे पर चेहरा ' प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया , जिसमें 'द' वर्ग के दैविक को प्रथम स्थान तथा 'अ' वर्ग के प्रन्नेय श्रीवास्तव को द्वितीय स्थान मिला |

कक्षा तीसरी के छात्रों द्वारा पंचतंत्र की कहानियों का रुचिकर मंचन किया गया | इस प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी–'स' के विद्यार्थी प्रथम स्थान पर रहे | विजेता प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार हैं – आरव सैनी , अनन्त चौहान , अक्षत झावर , अध्ययन ढौंडियाल, प्रसिद्धि जैन , रिद्धि गुसाई, ख्याति अवाना एवं अवनि तोमर |

कक्षा चौथी के छात्रों ने जैनेन्द्र कुमार की विभिन्न कहानियों की विवेचना की ,जिसमें उन्होंने कथा वस्तु , चरित्र–चित्रण ,भाषा–शैली तथा कहानी के विभिन्न पक्षों की चर्चा की |

15 सितम्बर को कक्षा एक के छात्रों ने भाषा के लिखित रूप पर ध्यान देते हुए 'सुलिपि ' लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया , जिसमें पहली –'ब' के सात्विक साहू को प्रथम तथा पहली –'स' के पार्थ बरसाईं को द्वितीय स्थान मिला |कक्षा दूसरी के छात्रों ने बुनो कहानी प्रतियोगिता के अंतिम चक्र में हिस्सा लिया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया | इस प्रतियोगिता में कक्षा –दूसरी अ के छात्र विजयी रहे | जिनके नाम इस प्रकार हैं – कविन मेहरा , देवांशु झा , आन्या गुप्ता , अविरल जैन ,रिशिमा ,भानुश्रेष्ठ यंदम ,अर्शिया वेद |

कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों ने 'पुस्तक आवरण निर्माण' प्रतियोगिता में भाग लिया | जिसमें उन्होंने अपनी पाठ्यपुस्तक के लिए कल्पना तथा रचनात्मकता के मिश्रण से नया आवरण बनाया | इसमें कक्षा तीसरी – द के रित्विक एवं अयाना सिन्हा ने क्रमशः प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया |

कक्षा चौथी के विद्यार्थियों ने भाषा के लिखित तथा मौखिक स्वरुप को और करीब से जानने के लिए रचनाकर्मी साक्षात्कार गतिविधि में भाग लिया | जिसमें उन्होंने बाल पत्रिका 'नन्दन' की मुख्य संवाददाता सुश्री सुनीता तिवारी 'निगम' से मुलाकात की

अधिगम को सहज , सरल तथा स्थायी बनाने के लिए विद्यार्थियों को शैक्षिक भ्रमण पर ले जाना अति आवश्यक है इसीलिए कक्षा तीसरी एवं चौथी के विद्यार्थियों को हिंदी भाषा को निकट से जानने –समझने के लिए विभिन्न स्थलों पर ले जाया गया, जैसे – साहित्य अकादमी , गाँधी स्मृति संग्रहालय, अमर उजाला प्रेस आदि | गाँधी संग्रहालय में छात्र –छात्राओं ने गांधीजी के जीवन से सम्बंधित वस्तुओं को देखा | साहित्य अकादमी में विद्यार्थियों को विभिन्न साहित्यकारों के जीवन के विषय में रोचक तथ्य तथा उनके रचना-संसार के विषय में निकट से जानने का अवसर मिला | सारी दुनिया को अपने अन्दर समेटे होता है-अख़बार , पर यह अख़बार कैसे एक ही रात में अपना कलेवर बदल कर हमारे सामने हर सुबह नए रूप में आता है ,यह बच्चों ने हिंदी भाषा के अग्रणी समाचार–पत्र अमर उजाला के मुद्रणालय में जाकर सीखा |

16 सितम्बर को 'उमंग' उत्सव का समापन समारोह आयोजित किया गया , जिसमें प्रधानाचार्या श्रीमती आशा प्रभाकर ने विद्यार्थियों तथा अभिभावकों को संबोधित किया | मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ० श्रीमती स्मिता चतुर्वेदी उपस्थित थी | उन्होंने हिंदी भाषा के राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्वरुप पर प्रकाश डाला | प्राथमिक विभाग की मुख्याध्यापिका श्रीमती विनया पुजारी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया |समापन समारोह में प्रधानाचार्या जी ने सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए तथा आशीर्वाद दिया |सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी भाषा की संस्कृत से लेकर ब्रज ,अवधी भाषाओं से होते हुए अब तक की यात्रा को छात्र छात्राओं ने अपने सुरों से सजाकर गीतमाला के रूप में प्रस्तुत किया |आजकल के व्यस्त बच्चों के खोते बचपन की व्यथा को नृत्य-नाटिका 'बंधन मुक्त–बचपन' के रूप में मंचित किया गया | अभिभावकों तथा अतिथियों का उत्साह देखते ही बनता था |

<u>कार्यक्रम की झलकियाँ :</u>

कार्यक्रम संयोजिका: श्रीमती मनीषा सेठी एवं श्रीमती इलाश्री जायसवाल